भारत निर्वाचन आयोग

निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली -110001

सं0 : ईसीआई/प्रेस नोट/32/2015 दिनांक: 07 मई, 2015

विषय : भारत निर्वाचन आयोग ने सहभागियों और पणधारियों के परामर्श से स्वीप चरण III हेतु कार्य योजना तैयार करने की शुरूआत की है।

भारत निर्वाचन आयोग पणधारियों के परामर्श से स्वीप-III हेतु कार्य योजना को अंतिम रूप देने के लिए दिनांक 12 से 15 मई, 2015 तक सरकारी विभागों के अतिरिक्त सिविल सोसाइटी संगठनों, शिक्षाविदों, विशेषज्ञों और स्वयंसेवकों के साथ विचार विमर्श प्रारम्भ करेगा। इसका उद्देश्य इस माह के भीतर देशभर में सहभागियों और पणधारियों के साथ यथा संभव यथाव्यापक विचार-विमर्श करना है।

नीतिपरक और पूर्व सूचित मतदान का प्रचार करने के अतिरिक्त, कार्यनीतिक सूचना, प्रेरणा और सुविधा के त्रिआयामी माध्यम से चिन्हित कमियों को दूर करने के लिए लक्षित इन्टरवेन्शनों की रूप रेखा तैयार करते हुए पंजीकरण और मतदान में चिन्हित कमियों पर यह विचार विमर्श केन्द्रित होगा। ऐतिहासिक लोक सभा साधारण निर्वाचन, 2014 से प्राप्त शिक्षाओं पर आधारित एक ठोस तथा गहन कार्य योजना स्वीप-III के लिए तैयार की जा रही है।

परामर्शी प्रक्रिया के रूप में, भारत निर्वाचन आयोग ने अपने सुव्यवस्थित शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता कार्यक्रम स्वीप के अन्तर्गत, व्यापक पंजीकरण और गुणवत्तापूर्ण तथा निर्वाचक सहभागिता बढ़ाने के लिए नई दिल्ली में 27-28 अप्रैल, 2015 को राज्यों के निर्वाचन अधिकारियों और सहभागी एजेन्सियों एन एल एम ए, एन सी सी, एन एस एस, प्रसार भारती और यू एन डी पी के साथ एक परामर्शी बैठक आयोजित की।

भारत निर्वाचन आयोग ने सूचना और सुविधा प्रदान करने संबंधी कमियों को दूर करके पात्र नागरिकों में निर्वाचक सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए स्वीप अभियान का शुभारंभ किया था। स्वीप का प्रथम चरण वर्ष 2009 के अंत से मार्च, 2013 तक व्याप्त रहा और राज्य विधान

सभाओं के लिए 17 साधारण निर्वाचन तथा निर्वाचक नामावली के तीन पुनरीक्षण कार्यक्रम पूरे किए। स्वीप I, स्वीप II की पहलों को मजबूती देने और उन्हें आगे ले जाने के लिए एक योजनाबद्ध कार्यनीति तथा विभिन्न कमियों को दूर करने के लिए एक लक्षित दृष्टिकोण की आवश्यकता थी। लोक सभा निर्वाचन, 2014 इतिहास में एक मील का पत्थर और स्वीप के अनुभव प्रदान करने वाला रहा है क्योंकि यह स्वीप II केन्द्र बिन्दु था। लोक सभा निर्वाचनों के अतिरिक्त इसके अन्तर्गत राज्य विधानसभाओं के 14 साधारण निर्वाचन भी शामिल थे।

भारत निर्वाचन आयोग मतदाता टर्नआउट में तेजी से गिरावट को अपने स्वीप कार्यक्रम को आकर्षित करने का श्रेय वर्ष 2010 से देता है। इस कार्यक्रम की शुरूआत से मतदाता टर्नआउट राज्य विधान सभाओं के सभी निर्वाचनों में लगातार बढ़ा है। महिला टर्नआउट जो स्वीप इन्टरवेन्शनों के लिए प्राथमिक केन्द्र बिन्दु रहा है, ने इतिहास में पहली बार छह राज्यों के मतदाता प्रतिशत की रिकार्डिंग में पुरूषों की तुलना में महिलाओं का मतदान प्रतिशत अधिक रहने सहित अधिकांश राज्यों में उल्लेखनीय रूप से बढ़ा हुआ रहा है। 19 राज्यों में ऐतिहासिक टर्नआउट रिकॉर्ड किया गया था। अभी तक का सबसे अधिकतम टर्नआउट लोक सभा 2014 में 66.44% रहा जो पूर्व लोक सभा निर्वाचन से 8% अधिक था। लोक सभा साधारण निर्वाचन, 2014 में यह भी देखा गया था कि वर्ष 2009 में 4.56 की तुलना में पुरूषों और महिला टर्नआउट के बीच अभी तक का न्यूनतम अंतराल 1.55 था।

(धीरेन्द्र ओझा)

निदेशक